झारखण्ड विधान सभा

ध्यानाकर्षण सूचना

चतुर्थ झारखण्ड विधान–सभा

द्वितीय–सत्र

निम्नलिखित ध्यानाकर्षण– सूचनायें झारखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य–संचालन के नियम– 147 के अन्तर्गत दिनांक– 11.03.2015 के लिए माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा स्वीकृत की गयी हैं :–

क्र0सं0	सदस्य का नाम	विषय	विभाग
01.	02.	03.	04.
01–	श्री सत्येन्द्र नाथ तिवारी स0वि0स0	झारखण्ड राज्य के गढ़वा जिला के काण्डी प्रखण्ड के पास सोन नदी गुजरती है जिसका चौड़ाई 01 एक किलोमीटर है जो बिहार झारखण्ड को दो भागों में बाटती है। रोहतास जिला (बिहार) में प्रतिवर्ष आदिवासी मेला लगता है जहाँ लाखो आदिवासी लोग भाग लेते है, जिन्हें 200 किलोमीटर अधिक दूरी तय कर जाना पड़ता है तथा लाखो लोगों को भी उक्त नदी से बिहार राज्य के दूरी तय करने में सालो भर बाधित होता है। अतः जनहित में पथ निर्माण विभाग से पूल का निर्माण कराने हेतु सदन के माध्यम से सरकार का ध्यानाकृष्ट करना चाहता हूँ।	पथ निर्माण
02–	श्री मनोज कुमार यादव स0वि0स0	राज्य के कोड़रमा जिलान्तर्गत चन्दवारा प्रखण्ड में प्रसिद्ध तिलैया डैम अवस्थित है। जहाँ पर्याप्त पानी का भंडार है। इस डैम के किनारे बरही विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत, ग्राम उरवां, जामूखाडी सिंहरावां बच्छई मलिकाना, पडरिमा डुमरी, गोविन्दपुर, लराही सिरमा, विजैया, बेला कोल्हुआ कला और बुंडू अवस्थित है। डैम में पर्याप्त पानी होते हुए भी उक्त गाँव के किसान सिंचाई के पानी से वंचित है।	जल संसाधन

कृ0पृ030

01.	02.	03.	04.
		डैम के जल को लिफ्ट एरीगेशन के माध्यम से उपरोक्त गाँवों के किसानों सिंचाई जल, उपलब्ध कराकर हजारों किसानों के हित डैम के पानी का सदुपयोग किया जा सकता है। अतः उपर्युक्त गाँवों के हजारों किसानों को तिलैया डैम के पानी से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु, मै, सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ।	
03-	श्री संजीव सिंह स0वि0स0	झरिया स्थित आर0एस0पी0 कॉलेज, धनबाद शहर का अत्यन्त प्राचीन कॉलेज है। यहाँ हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं पठन-पाठन कर रहे हैं। पूरे कोयलांचल के वाणिज्य विषय के पढ़ाई के लिए यह सबसे प्राचीन प्रतिष्ठित कॉलेज है। वर्त्तमान में बी0सी0सी0एल0 प्रबंधन द्वारा इस कॉलेज के नीचे भूमिगत आग होने की बात कह कर इस कॉलेज को हटाने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है जबकि इस कॉलेज के नीचे भूमिगत आग होने की पुष्टि किसी भी वैज्ञानिक सर्वेक्षण के द्वारा नहीं की गयी है। उल्लेखनीय है कि कॉलेज के निकट ही वाटर बोर्ड का एक जलागार भी है, इसे भी हटाने की योजना बी0सी0सी0एल0 प्रबंधन कोयले की निकासी के निमित्त कर रहा है। अतः मैं माँग करता हूँ कि पूरे मामले की निष्पक्ष वैज्ञानिक जाँच सुनिश्चित करायी जाय ताकि वास्तविकता उजागर हो सके। अगर वैज्ञानिक जाँच में कॉलेज और वाटर टैंक के नीचे भूमिगत आग होने की पुष्टि हो जाती है तो इस कॉलेज की प्रतिष्ठा और पूरे जिले के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक भविष्य को देखते हुए इसका स्थानांतरण झरिया शहर में अन्यत्र कहीं कराने का प्रबंध किया जाय।	खनन एवं भूतत्व
04-	श्रीमती गंगोत्री कुजूर स0वि0स0	झारखण्ड की राजधानी एवं अन्य शहरों में आदिवासियों की जमीनों पर येन-केन-प्रकारेण भू-माफियाओं द्वारा कब्जा कर लिया गया है और यह क्रम अहर्निश जारी है। जिन आदिवासियों की जमीने संस्थाओं/फैक्ट्रियों आदि के लिए ली जा रही है, उन्हें विस्थापितों की श्रेणी में रखा गया है भले ही उन्हें कोई लाभ नहीं मिल रहा है, लेकिन जिन आदिवासियों की जमीनों पर अतिक्रमण कर उन्हें पलायन के लिए मजबूर किया जा रहा है, वैसे आदिवासियों को किसी भी श्रेणी में नहीं रखा गया है। आदिवासियों के पलायन से इनकी जनसंख्या दिन दूनी रात चौगुनी घटती जा रही है जो चिन्ता का विषय है।	राजस्व एवं भूमि सुधार

कृ0पृ030

01.	02.	03.	04.
		अतएव मेरा आग्रह है कि ऐसे आदिवासी भाई जिनकी जमीनें अतिक्रमित कर ली गयी है उन्हें भी विस्थापितों की श्रेणी में रखते हुए सरकारी सुविधायें प्रदान की जायें और साथ ही अवैध रूप से छीनी जा रही इनकी जमीनों को बचाने की दिशा में कारगर कदम उठाये जायें ताकि झारखण्ड राज्य की अस्मिता अक्षुण्ण रह सके। इस ओर सदन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है।	
05-	श्री बिरंची नारायण स0वि0स0	राज्य के विकास में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। पथ निर्माण विभाग और भवन निर्माण विभाग में पदस्थापित अभियंताओं की सेवा आवश्यकतानुसार एक विभाग से दूसरे में स्थानांतरित की जाती है। वर्त्तमान में दोनों विभागों में ऐसे अभियंताओं की संख्या लगभग सवा सौ भी अधिक है जिनका पदस्थापन किसी भी कार्य हेतु नहीं किया गया है। पदस्थापना की प्रतीक्षा में ऐसे अभियंताओं को कई माह से वेतन नहीं मिलने के कारण काफी असुविधा हो रही है। साथ ही ऐसे अभियंताओं की सेवा से राज्य को वंचित होना पड़ रहा है। इन अभियंताओं को इतने लंबे समय से किसी भी पद पर पदस्थापित क्यों नहीं किया गया है, इसका कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया है। अतएव मैं इस दिशा में सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए अभियंताओं की पदस्थापना नहीं किये जाने का कारण सार्वजनिक करने तथा उनकी तत्काल पदस्थापना हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ।	मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय

राँची
दिनांक- 11 मार्च, 2015 ई0।

सुशील कुमार सिंह
प्रभारी सचिव,
झारखण्ड विधान सभा, राँची।

ज्ञाप सं0-ध्या0प्र0 एवं अना0प्र0-02/2015-.....979...../वि0 स0, राँची, दिनांक- 10/3/15

प्रतिः- झारखण्ड विधान सभा के मा0सदस्यगण/ मा0मुख्यमंत्री/ एवं अन्य मंत्रिगण/ मुख्य सचिव, झारखण्ड सरकार, राँची/ मा0 राज्यपाल के प्रधान सचिव/ लोकायुक्त के आप्त सचिव/ महाधिवक्ता उच्च न्यायालय राँची/पथ निर्माण विभाग/ जल संसाधन विभाग/खनन एवं भूतत्व विभाग/राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग एवं मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

10/3/15

(छोटेलाल टुडू)
अवर सचिव,झारखण्ड विधान सभा, राँची।

ज्ञाप सं0-ध्या0प्र0 एवं अना0प्र0-02/2015-.....979...../वि0 स0, राँची, दिनांक- 10/3/15

प्रतिः- आप्त सचिव, अध्यक्ष महोदय/आप्त सचिव, सचिवीय कार्यालय को क्रमशः मा0 अध्यक्ष महोदय एवं प्रभारी सचिव महोदय के सूचनार्थ प्रेषित।

10/3/15

अवर सचिव,झारखण्ड विधान सभा, राँची।

10/03/15